BA-3, PAPER-5

TOPIC - सार्वजनिक एवं निजी प्रशासन

Date - 14.05.2020

Book Reference - मोहित भट्टाचार्य (लोक प्रशासन के नए आयाम), IGNOU notes.

Seema Kumari
Asst. Prof. (Pol. Sc.)
RMC (Sasaram).

सरकारी एवं निजी प्रशासन

प्रशासन सरकारी एवं निजी सांस्थानिक व्यवस्थाओं में होता है। इसका स्वरूप उस व्यवस्था और उद्देश्य पर निर्भर करता है जिससे यह संबद्ध है। लोक प्रशासन सरकारी प्रशासन है जिसका संबंध राज्य द्वारा निर्धारित राज्य के उद्देश्यों को प्राप्त करना है दूसरी ओर निजी प्रशासन का संबंध निजी व्यापारिक संगठनों के प्रशासन से है जो लो प्र से भिन्न है।

सरकारी और निजी प्रशासन में असमानताएं -

जॉन गॉस, लुडविग वॉन मिसेज, पाल एच एपल्बी, हर्बर्ट ए. साइमन, पीटर ड्रकर आदि ने अपने लेखन में सरकारी और निजी प्रशासन में अंतर किया है। हर्बर्ट ए. साइमन के अनुसार भिन्नता तीन मुख्य बिंदुओं पर होता है:-

1. लोक प्र० नौकरशाही है जबकि निजी प्र० व्यवहारिक है।
2. लो प्र राजनीतिक है जबकि निजी प्र० गैर राजनीतिक
3. लो प्र लाल फीताशाही द्वारा जाना जाता है जबकि

Scanned with CamScanner

निजी प्रशासन इससे युक्त है।

सर जेसिया स्टांप के अनुसार 4 सिद्धांत जो निजी से सरकारी प्रशासन में अंतर करते हैं, निम्नलिखित हैं:-

1. समानता का सिद्धांत - एक समान कानून और विनिमय सरकारी प्रशासन को विनियमित करते हैं।

2. बाहरी वित्तीय नियंत्रण का सिद्धांत - विधायी निकाय के माध्यम से लोगों के प्रतिनिधि सरकारी राजस्व और व्यय शीर्षों का नियंत्रण करते हैं।

3. मंत्रीपदीय उत्तरदायित्व का सिद्धांत - लो प्र अपने राजनीतिक मालिकों के प्रति और उनके माध्यम से लोगों के प्रति उत्तरदायी है।

4. सीमांत प्रतिफल का सिद्धांत - व्यापारिक कार्य का मुख्य उद्देश्य लाभ है, लो प्र के अधिकांश उद्देश्यों को न तो धन के पैमाना पर मापा जा सकता है न ही लेखाकरण विधियों द्वारा जांचा जा सकता है।

अन्य असमानतायें हैं:-

1. लोक प्रशासक ज्यादा प्रतिष्ठित होता है। काफ्नी ढांचे के अंतर्गत कार्य करता है।

2. प्रशासन की सभी कार्यवाहियों पर जनता की सूक्ष्म दृष्टि होती है क्योंकि जनता इसे निकट से देखती (RTI) निजी प्र० में ऐसा नहीं होता है। लोकतंत्र में सार्वजनिक उत्तरदायित्व का प्रमाण चिन्ह है।

3. लो प्र विशाल मात्रा का प्रशासन है। कोई भी वस्तु प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से लो प्र के अधीन है।

सरकारी और निजी प्रशासन में असमानतायें -

हेनरी केयोल, मेरी पार्कर फॉलेट और उर्विक जैसे विद्वान सरकारी और निजी प्रशासन में कोई विभेद नहीं करते।

Scanned with CamScanner

प्रशासन के दो प्रकारों में निम्न समानतायें देखी जा सकती हैं:-

1. सरकारी और निजी दोनों सामान्य दक्षताओं, तकनीकों और प्रक्रियाओं पर निर्भर रहते हैं।
2. लाभ अर्जन करना दोनों का उद्देश्य है।
3. कार्मिक प्रबंध में सार्वजनिक संगठनों के व्यवहार द्वारा निजी संगठन बहुत अधिक प्रभावित हैं।
4. दोनों कानूनी दबावों के अधीन हैं। सरकार नियामक विधायन जैसे कराधान, मौद्रिक और लाइसेंस नीतियों आदि के माध्यम से व्यापारिक कंपनियों पर नियंत्रण रखती है।
5. पदानुक्रम और प्रबंध प्रणालियों का प्रकार सरकारी और निजी दोनों प्रशासनों में एक समान है। दोनों की संगठन संरचना भी एक प्रकार की है - अधीनस्थ संबंध आदि

वास्तव में सरकारी और निजी प्रशासन एक ही जीनस की दो प्रजातियां हैं परंतु उनके अपने विशेष मूल्य और तकनीकें हैं जो प्रत्येक को अपने विशिष्ट स्वरूप देते हैं।

Scanned with CamScanner